भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4396

02.04.2026 को उत्तर के लिए

एआई के पर्यावरणीय प्रभाव

4396. श्रीमती संगीता यादव :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि **:**

(क) क्या सरकार ने उन रिपोर्टों पर ध्यान दिया है जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अवसंरचना से जुड़े पर्यावरणीय पहलुओं, जैसे कि ऊर्जा के उपयोग और पानी की खपत, को रेखांकित करती हैं;

(ख) क्या डेटा केंद्रों और एआई-संबंधित सुविधाओं के पर्यावरणीय प्रभाव के संबंध में कोई आकलन किया जा रहा है;

(ग) क्या मौजूदा पर्यावरणीय मूल्यांकन ढांचे ऐसी अवसंरचना पर लागू होते हैं;

(घ) क्या पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार परिपाटियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है; और

(ङ) ये प्रयास भारत की जलवायु और संधारणीयता संबंधी प्रतिबद्धताओं को किस प्रकार समर्थन देते हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (ङ):

सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अवसंरचना के ऊर्जा खपत, जल उपयोग, इलेक्ट्रॉनिक कचरे आदि पर पड़ने वाले प्रभाव से अवगत है और इन मुद्दों का समाधान करने तथा इन्हें कम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

डेटा सेंटर और एआई सुविधाएं वास्तव में यथासंशोधित पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना 2006 में शामिल हैं। तथापि, 20000 वर्ग मीटर से अधिक निर्मित क्षेत्र वाले किसी भी डेटा सेंटर या एआई सुविधा वाले भवन और निर्माण परियोजनाएं उपर्युक्त अधिसूचना की अनुसूची के मद 8(क) के अंतर्गत आती हैं और इनके लिए पूर्व पर्यावरण मंजूरी (ईसी) आवश्यक है। पर्यावरण संबंधी मुद्दों के सुरक्षापायों को ध्यान में रखते हुए, विस्तृत मूल्यांकन और विचार-विमर्श के बाद विशेषज्ञ

मूल्यांकन समिति (ईएसी) की सिफारिशों के आधार पर पर्यावरण मंजूरी प्रदान की जाती है। ऐसी अवसंरचना परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन किया जाता है। ईसी में सामान्य और विशिष्ट शर्तें निर्धारित हैं जिनका निर्माण और परिचालन चरण के दौरान परियोजनाओं द्वारा पालन किया जाना आवश्यक है, जिनमें ऊर्जा दक्षता, ऊर्जा संरक्षण, जल का कुशल उपयोग, उपचारित अपशिष्ट जल का पुन: उपयोग आदि उपाय शामिल हैं। ई-अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2022 में भी विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के इस्तेमाल के दौरान पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों का प्रावधान किया गया हैं।

****